ॐ जय अम्बे गौरी…जय अम्बे गौरी, मैया जय श्यामा गौरी ।

तुमको निशदिन ध्यावत, हरि ब्रह्मा शिवरी ॥**ॐ जय अम्बे गौरी..॥**

मांग सिंदूर विराजत, टीको मृगमद को । उज्ज्वल से दोउ नैना, चंद्रवदन नीको ॥

**ॐ जय अम्बे गौरी..॥**

कनक समान कलेवर, रक्ताम्बर राजै ।रक्तपुष्प गल माला, कंठन पर साजै ॥
**ॐ जय अम्बे गौरी..॥**

केहरि वाहन राजत, खड्ग खप्पर धारी ।सुर-नर-मुनिजन सेवत, तिनके दुखहारी ॥
**ॐ जय अम्बे गौरी..॥**

कानन कुण्डल शोभित, नासाग्रे मोती ।कोटिक चंद्र दिवाकर, सम राजत ज्योती ॥
**ॐ जय अम्बे गौरी..॥**

शुंभ-निशुंभ बिदारे, महिषासुर घाती ।धूम्र विलोचन नैना, निशदिन मदमाती ॥
**ॐ जय अम्बे गौरी..॥**

चण्ड-मुण्ड संहारे, शोणित बीज हरे ।मधु-कैटभ दोउ मारे, सुर भयहीन करे ॥
**ॐ जय अम्बे गौरी..॥**

ब्रह्माणी, रूद्राणी, तुम कमला रानी ।आगम निगम बखानी, तुम शिव पटरानी ॥
**ॐ जय अम्बे गौरी..॥**

चौंसठ योगिनी मंगल गावत, नृत्य करत भैरों ।बाजत ताल मृदंगा, अरू बाजत डमरू ॥
**ॐ जय अम्बे गौरी..॥**

तुम ही जग की माता, तुम ही हो भरता,भक्तन की दुख हरता । सुख संपति करता ॥
**ॐ जय अम्बे गौरी..॥**

भुजा चार अति शोभित, खडग खप्पर धारी ।मनवांछित फल पावत, सेवत नर नारी ॥
**ॐ जय अम्बे गौरी..॥**

कंचन थाल विराजत, अगर कपूर बाती ।श्रीमालकेतु में राजत, कोटि रतन ज्योती ॥ **ॐ जय अम्बे गौरी..॥**

श्री अंबेजी की आरति, जो कोइ नर गावे ।कहत शिवानंद स्वामी, सुख-संपति पावे ॥
**ॐ जय अम्बे गौरी..॥**

**जय अम्बे गौरी, मैया जय श्यामा गौरी ।**

**=======**